https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ऑटोइंफ्लामैट्री रोगों का सामान्य परिचय

के संस्करण 2016

1. आटोइंफ्लामैट्री रोगों का सामान्य परिचय

1.1 सामान्य परिचय

अनुसंधान में हाल में हुई प्रगति के कारण यह पता चला है कि दुर्लभ बुखार आनुवंशिक खराबी के कारण होते है। इनमें से कई तरह के बुखार से परिवार के अनेक सदस्य भी पीड़ित हो सकते है।

1.2 आनुवंशिक खराबी का अर्थ क्या है?

इस का अर्थ है कि जीन में अचानक बदलाव या परिवर्तन हो गया है। परिवर्तित जीन के कार्य को बदल देता है और वह शरीर को गलत संकेत देता है जिससे बीमारी उत्पन्न होती है। शरीर की हर कोशिका में हर जीनके दो कण होते है। एक कण माँ से आता है और दूसरा पिता से आता है। परिवर्तित जीन की विरासत दो प्रकार से हो सकती है:

1. रिसेसिवः इस परिस्थिति में दोनो जीन परिवर्तित है। माता व पिता दोनों में एक-एक जीन खराब है। वह बीमार नही है क्योंकि बीमारी तभी होती है जब जीन के दोनों कण खराब हों। बच्चे में खराब जीन जाने की संभावना एक चैथाई होती है। 2. 'डॉमनिन्टः इस प्रकार में केवल एक परिवर्तित जीन ही बीमारी को स्वरूप दे सकती है। किसी भी एक पालक में बीमारी होने से बच्चे में वह बीमारी होने की संभावना 50 प्रतिशत होती है। ऐसा भी हो सकता है कि माता व पिता में जीन की कोई खराबी ना हो। इस परिस्थिति को जीन में नया परिवर्तन कहा जाता है। यह परिवर्तन माँ के गर्भधारण के सयम होता है। दूसरे संतान में यही परिवर्तन होने की सम्भावना नही के बराबर है किन्तु पिड़ीत संतान के बच्चें में यह दोष पाये जाने की संभावना डॉमनिन्ट विरासत के समान (50 प्रतिशित) होती है।

1.3 आनुवंशिक दोष का परिणाम क्या है?

परिवर्तित जीन का असर एक विशिष्ट प्रकार के प्रोटीन के उत्पादन व कार्यशैली पर पड़ता है। यह असामान्य प्रोटीन प्रदाह को प्रोत्साहित करता है जिससे पिड़ीत व्यक्ति मे बुखार उत्पन्न होता है। प्रदाह को प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया सामान्य व्यक्ति में नही हो

पाती।